FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

PRESS NOTE

संख्या–1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/ *17 नवम्बर 2015*

सीसुबल अकादमी टेकनपुर में जारी है भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउण्टेड पुलिस ड्यूटी मीट –2015

घुड़सवारों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

टेकनपुर। 17 नवम्बर 2015। अकादमी टेकनपुर में आयोजित 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउण्टेड पुलिस ड्यूटी मीट– 2015 के तीसरे दिन भी प्रतियोगिता के दौरान घुड़सवारों के हैरतअंगेज करतब देखने का मिल रहे हैं। इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 18 टीमें, 293 अश्व तथा 214 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

आज आयोजित प्रतियोगिता में मुख्य तौर पर फेरियर प्रतियोगिता दर्शकों के लिए केन्द्र बिन्दु बनी रही। इस प्रतियोगिता में प्रतियोगी टीम को अपने अश्व पर सवार होकर 10 अलग–अलग बाधाओं से होकर गुजरना होता है जिसमें निश्चित समय व अश्व की तीव्र गति के अनुसार इन बाधाओं को पार कर प्रतियोगिता पास की जाती है। इन बाधाओं को जो सबसे अच्छे नम्बर लेकर पास करता है वह विजेता बनता है। पूरी प्रतियोगिता लगभग 01 किलोमीटर की दूरी पूर्ण होने पर पूर्ण होती है। बाधाओं में मुख्य हैं :– पानी की रूकावट, फटाखां की आवाज, लोहे के पाईप के ऊपर से जम्प, खड्डे के ऊपर से जम्प, कई गाड़ियों का एक साथ तीव्र आवाज आदि। इस प्रतियोगिता में घोड़े पर सवार राईडर को इन बाधाओं को पार करना होता है और सांथ ही घोड़े को विचलित करने के लिए बनावटी रूकावटें दी जाती है लेकिन घोड़ा इन आवाज से विचलित न होकर सभी बाधाओं को पार करता है। देखने वाली बात यह है कि प्रतियोगी घाड़े लगभग 100 किमी0. प्रति घंटे की गति से दौड़ते हैं और इन पर सवार राईडर हर बाधाओं को पार करता है जो सबसे कम समय में इन बाधाओं को पार करता है वह विजेता बनता है। इस प्रतियोगिता में एनपीए हैदराबाद टीम के शिव प्रताप ने प्रथम स्थान, बंगाल पुलिस क राजेश राम ने द्वितीय स्थान, एनपीए हैदराबार टोम के जी गोविंद ने तृतीय स्थान एवं राजस्थान पुलिस के मुकेश कुमार ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

आज आयोजित प्रतियोगिता में साइसेज प्रतियोगिता को भी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया है। इस प्रतियोगिता में घुड़सवार अपने घोड़े को पहनावे से सुसज्जित कर तैयार करता है। देखने वाली बात यह है कि घुड़सवार को स्वयं व घोड़े को तैयार करने के लिए एक निश्चित समय दिया जाता है इस निश्चित समय में घुड़सवार पहले स्वयं अपनी वेशभूषा पहनता है इसके बाद घोड़े को तैयार करने लिए जरूरी सामान जुटाता है व सामान जुटाने के बाद वह घोड़े को इस दिशा में तैयार करता है कि घोड़ा किसी भी बाधा को पार कर सके। इस प्रतियोगिता में सीसुबल टीम के भूपेन्दर सिंह ने प्रथम स्थान, सीसुबल टीम के रंजीत सिंह ने द्वितीय स्थान, आईटीबीपी टीम के महिन्दर सिंह ने तृतीय स्थान एवं पंजाब पुलिस टीम के राजिन्दरपाल सिंह ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि बीएसएफ इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है, जिसका अपना एक स्वर्णिम इतिहास है। इस समय अकादमी टेकनपुर में कई तरह के कार्यकम आयोजित किए जा रहें ह जो कि इस महीने के अंत तक आयोजित किए जाएंगे। नम्बर माह के अंत में सीसुबल का स्वर्ण जंयती वर्ष समाप्त हो रहा है और स्वर्ण जयंती वर्ष की समाप्ती पर अकादमी टेकनपुर में बड़े स्तर पर कार्यकम का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है अकादमी टेकनपुर में कई एतिहासिक स्थान है जैसे सुरक्षा भवन, टेकनपुर झील, अकादमी म्यूजियम, एतिहासिक शिव मंदिर आदी। इस समय अकादमी टेकनपुर झील में प्रवासी पक्षियों का आना शुरू हो गया है।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियो के नाम, पद व रैक का विशेष ध्यान रखा जाये।